कांग्रेस वाले मोदी सरकार को इस लिए हराना चाहते हैं कि वह जानते हैं मोदी सत्ता में आये, तो कुछ तिहाड़ और कुछ होटवार में होंगे. कांग्रेस ने आजादी के बाद जितनी गड़बड़ियां की है, उसकी पोल खुलने लगी है.
रघुवर दास, मुख्यमंत्री.

भाजपा सरकार विकास विरोधी और उद्योगपतियों की हितैषी है. भाजपा के शासनकाल में सबसे अधिक किसान आत्महत्या, मॉब लिंचिंग व भूख से हुई मौत के मामले आये हैं. भाजपा ने कभी गरीबों की चिंता नहीं की.
असरानी, फिल्म अभिनेता.

गप्पू चचा

सफर अनजाना, हमदम और हमसफर भी बेगाना...

तीरंदाज के लिए यह नया लक्ष्य है. वह तो वही हैं, दर्पण भी वही, पर सब कुछ नया-नया लग रहा है. निशाना उनका चाहे जैसा हो, धनुष वह बेजोड़ रखते हैं. उनके इसी अंदाज से उन्हें नयी मंजिल व नये लक्ष्य की ओर भेज दिया गया है. जिन्हें वह अपना कह सकते हैं, उनके भरोसे. सफर अनजाना है. ऊपर से हमदम व हमसफर की भी कमी है. जैसे-जैसे तीर चलाने का वक्त नजदीक आ रहा है, असरदार साथी ध्यान भटकाने पर लगे हैं. मुखिया को भी उनसे विशेष मतलब नहीं है. अब लोग इसे बकवास कहें, पर वह तो निशाना चूकने की मन्नत मांग रहे होंगे. ऐसे में कल क्या होगा, कहना मुश्किल है. मन की ताकत से वह काम तो कर रहे हैं, पर अबकी चूक गये, तो राजनीति के बियावान में भटकना होगा. खुदा खैर करे. गप्पु चचा तो इस सब सोच कर परेशान हैं कि उनके लिए फैसला सहूलियत के लिए हुआ था कि परेशानी बढ़ाने के लिए. इस तो भगवान जानेंगे या उ लोग जानेंगे जिन्होंने फैसला लिया है.

ई ठीक है

भूल जो हुई थी उसे सुधारेंगे, वोट से शहंशाह को हरायेंगे. कुशासन जो हुआ पांच साल में, उसे हटाने के लिए अब बदलाव हम लायेंगे.
-अजय नाथ शाहदेव, कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता

गोंदा मंडल अंतर्गत हातमा से पदयात्रा कर जनता को आश्वस्त किया कि हमारी जाति, हमारा मत और हमारा संप्रदाय कोई भी हो, परंतु हमारेरांची लिए इन सबसे बढ़ कर है अपने देश की सुरक्षा. भाजपा सदैव राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है. इसलिए कमल चिह्न पर मतदान कर भाजपा को भारी मतों से विजयी बनाये.
- सीपी सिंह, नगर विकास मंत्री

प्रधानमंत्री जी ने आपने भाषण में कोडरमा, चाईबासा मेडिकल कॉलेज और देवघर एम्स का उल्लेख किया. उनको जमशेदपुर, धनबाद और रांची मेडिकल कॉलेज की स्थिति के बारे में भी बताना चाहिए था. जिला के सदर अस्पतालों का हाल क्या है?
बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री सह झाविमो के अध्यक्ष

यही है मेरी पसंद

सबके प्रति सम्मान भाव रखनेवाला हो भावी सांसद

भावी सांसद का वैचारिक फलक बहुआयामी हो. छोटी-छोटी चीजों को बारीकी से देखता हो. आचरण की शुद्धता, मर्यादित भाषा, सबके प्रति सम्मान भाव, मिलनसार, बहुमुखी प्रतिभा आदि उसके व्यक्तित्व के अनिवार्य तत्व होने चाहिए. समाज के सभी वर्ग के उत्थान के मौके, युवाओं के लिए रोजगार, किसानों के लिए लाभ के उचित अवसर, मजदूरों के लिए उचित पारिश्रमिक, महिलाओं के लिए अनुकूल वातावरण, बुजुर्गों के लिए पेंशन आदि उसकी प्राथमिकता में शामिल हो. धर्म और अध्यात्म में फर्क समझे. आधुनिक तकनीकों के प्रयोग में निपुण हो. उसका व्यक्तित्व ऐसा हो कि देखते ही लगे कि यह हमारी सारी परेशानियों को आसानी से दूर कर सकता है.

- पूर्णेश्वरी प्रसन्न शर्मा, पूर्व राजपुरोहित, रातू गढ़

इनकी भी सुनें

हमारा सांसद मानवीय गुणों से परिपूर्ण हो. जनता की आवाज सुनने वाला हो. देश की जनता अनेक समस्याओं से प्रतिदिन रूबरू हो रही है. बिजली, सड़क, स्वास्थ्य व शिक्षा आदि के क्षेत्रों में बहुत अधिक सुधार की संभावना है. वह इस दिशा में पहल करे. उसमें देशभक्ति की भावना हो.
- एके पाठक, शिक्षक

सांसद अपने कार्यों के प्रति जिम्मेदार हो. क्षेत्र में निश्चित समय अंतराल में भ्रमण करे और जमीनी वास्तविकताओं से खुद रूबरू हो. आम जनता के लिए वह एक वर्किंग मोबाइल नंबर रखे, ताकि एक सामान्य किसान भी अपने क्षेत्र की समस्या को उस तक आसानी से पहुंचा सके.
- अभिनव कुमार, पीजी स्टूडेंट

सांसद बनने के लिए अन्य सभी योग्यताओं के साथ-साथ शैक्षणिक योग्यता का होना भी जरूरी है. नीति निर्धारकों के लिए देश-विदेश की गतिविधियों की अद्यतन जानकारी रखना महत्वपूर्ण है ताकि वे भी अपने क्षेत्र के लोगों की जरूरत के कार्यों को समकक्ष या बेहतर तरीके से संपादित कर सके.
मो हबीबुल्लाह खान, शिक्षक

किसी भी क्षेत्र का विकास तभी हो सकता है, जब उस क्षेत्र के लोगों को चिकित्सा सुविधा व शिक्षा मिले. समुचित चिकित्सा व उच्चतर शिक्षा मिलने पर लोगों को महानगर की ओर जाने की जरूरत नहीं होगी. शिक्षित होने पर लोग अपने अधिकार को जानेंगे और विकास की गति में साथ-साथ चलेंगे.
- डॉ एसएन यादव, हड्डी रोग विशेषज्ञ

रांची से भाजपा व कांग्रेस के प्रत्याशी के साथ एक दिन

रांची संसदीय सीट पर चुनावी संघर्ष का रोमांच चरम पर है. शनिवार शाम से प्रचार थम जायेगा. जनसंपर्क और प्रचार में प्रत्याशियों ने रात-दिन एक कर दिया है. एक-एक वोट के जुगाड़ का सवाल है. भाजपा के प्रत्याशी संजय सेठ भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ डटे हैं. शहर-गांव का कोना-कोना नाप रहे हैं. उधर, कांग्रेस के प्रत्याशी सुबोधकांत सहाय अपने पुराने अनुभव और चुनावी रणनीति के साथ मैदान में डटे हैं. चुनावी रंग और प्रत्याशियों के कैंपेन को समझने-परखने के लिए प्रभात खबर की टीम ने प्रत्याशी के साथ एक दिन बिताये. संजय सेठ के साथ संवाददाता **सुनील झा** और सुबोधकांत सहाय के साथ **राजेश झा** ने चुनावी मुहिम को नजदीक से देखा. पेश है रिपोर्ट.

गांव-शहर में जुट रहा कार्यकर्ताओं का हुजूम

सभा, पदयात्रा कर अपील कर रहे संजय

शहर के विभिन्न इलाकों के अलावा राहे, बरमदा, पतराहातु, मुरी, सिल्ली में प्रचार अभियान के दौरान भाजपा के प्रत्याशी संजय सेठ का जगह-जगह कार्यकर्ताओं व लोगों ने स्वागत किया.

प्रतिनिधि ▷ रांची

चुनाव का टेंशन प्रत्याशियों पर भारी है. अहले सुबह से ही कार्यकर्ताओं का दल पिस्का मोड़ स्थित रांची लोकसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी संजय सेठ के आवास पर जुटने लगता है. संसदीय क्षेत्र के एक-एक मतदान केंद्र की रिपोर्ट ली जा रही है. संजय सेठ बुधवार को सुबह सात बजे पूजा-पाठ के बाद प्रचार के लिए घर से निकल जाते हैं. घर से निकलते कांके व बुढ़मू से आये कार्यकर्ता घेर लेते हैं. कार्यकर्ता अपने क्षेत्र के मतदान केंद्र का रिपोर्ट देते हैं. संजय सेठ कहते हैं मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनना है. कहते है मोदी है, तो मुमकिन है, देखिये जो आज तक नहीं हो सका वह अब हो रहा है, मसूद अजहर को अंतरराष्ट्रीय आतंकी घोषित कर दिया गया. चीन ने भी समर्थन दे दिया, यह मोदी के बल पर ही हो पाया है. कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाते हुए गाड़ी में बैठ जाते हैं. रातू रोड में जय सिंह यादव से मिलते हैं, फिर आगे राजद नेता स्व. कृष्णा यादव के बेटे को देख गाड़ी रोकते हैं. भाजपा के पक्ष में मतदान करने को कहते हैं. इसके बाद संजय सेठ मोरहाबादी के एदलहातू में पदयात्रा के लिए पहुंचते हैं. रांची नगर निगम की मेयर आशा लकड़ा कार्यकर्ताओं के साथ स्वागत करती है. यहां भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए वोट मांगते हैं. संजय सेठ कांग्रेस प्रत्याशी सुबोधकांत सहाय पर निशाना साधते हुए कहते हैं कि दस साल लगातार सांसद रहनेवाले सुबोधकांत सहाय के नाम का एक पत्थर भी कहीं नहीं है. केंद्रीय मंत्री रहते हुए भी उन्होंने क्षेत्र के लिए एक भी काम नहीं किया. पदयात्रा में वार्ड पार्षद ननकू तिर्की, भीम प्रभाकर, कवलजीत सिंह संटी समेत काफी कार्यकर्ता साथ थे. एदलहातू में पदयात्रा समाप्त करने के बाद 11 बजे खिजरी विधानसभा के सिदरौल पहुंचते हैं. सिदरौल में आजसू के रांची जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह कार्यकर्ताओं के साथ खड़े थे. संजय सेठ बिना नाश्ता किये ही घर से निकल गये थे, सिदरौल पहुंचने पर ड्राइवर को नाश्ता निकालने के लिए कहते हैं. पेड़ के नीचे बेंच पर बैठ नाश्ता करते हैं. अगल-बगल खड़े कार्यकर्ताओं से भी नाश्ता आग्रह करते हैं, कार्यकर्ताओं की ओर रोटी बढ़ते हुए कहते हैं, चलो हो गया. इसके बाद फिर पद यात्रा पर निकल जाते हैं. आगे झारखंड राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष आरती कुजूर भी पद यात्रा में शामिल होती हैं. संजय सेठ यहां लोगों को भाजपा सरकार की योजनाओं के बारे में बताते हैं. कहते है नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने के लिए रांची से भी एक कमल फूल सांसद के रूप में दिल्ली भेजें. 12.30 बजे सोनाहातू के लिए निकल जाते हैं. 1.30 बजे प्रचार का काफिला सोनाहातू के टानाडीह गांव पहुंचता है. 3.41 बजे चनडीह गांव पहुंचते हैं. आजसू व भाजपा के कार्यकर्ता संजय सेठ का स्वागत करते हैं. गांव के लोग में काफी संख्या में पदयात्रा में शामिल हुए. राहे, बरमदा, पतराहातु, मुरी, सिल्ली में प्रचार अभियान चलाने के बाद काफिला देर शाम कांके होचर में प्रचार के बाद रात में घर पहुंचते हैं.

कार्यकर्ताओं से कहा

मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाना है. कहते है मोदी हैं, तो मुमकिन है, देखिये जो आज तक नहीं हो सका, वह अब हो रहा है, मसूद अजहर को अंतरराष्ट्रीय आतंकी घोषित कर दिया गया.

गली-गली पहुंच रहा है सुबोध का कारवां

कार्यकर्ताओं को दे रहे बूथ पर डटने का मंत्र

सुबोधकांत सहाय ने रांची में सैकड़ों मोटरसाइकिल के जुलूस को झंडा दिखा कर प्रचार के लिए रवाना किया. इस दौरान खुली जीप में सवार हो वह खुद भी जूलूसके साथ चले.

प्रतिनिधि ▷ रांची

पूर्व केंद्रीय मंत्री सह रांची लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी सुबोधकांत सहाय की दिनचर्या शुक्रवार को सुबह 6.00 बजे से शुरू होती है. सुबह सो कर उठने के बाद उन्होंने चार-पांच अखबार को पढ़ा और चाय का आनंद लिया. तब तक उनके आवासीय कार्यालय ई-39 में कार्यकर्ताओं की जमावड़ा लगने लगता है. वह एक-एक कर विभिन्न वार्ड व पंचायत से आये कार्यकर्ताओं से मिलते रहे और उन्हें टिप्स देते रहे. एक कार्यकर्ता से कहा से अब बचे हुए समय में मेरा बूथ सबसे मजबूत... पर काम करें. युवाओं व महिलाओं को लगाये. घर-घर से मतदाताओं को मतदान केंद्र पर लाने की व्यवस्था करें. इस दौरान अन्य कार्यकर्ताओं से क्षेत्र के बारे में जानकारी लेते रहे और पूरे आत्मीयता से मिलते रहे. एक ग्रुप उनके घर से निकलता, तो दूसरा प्रवेश करता.

सुबह 10.00 बजे वह आवास से नीचे आये और लॉन में मौजूद कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और मतदान को लेकर अपनी-अपनी जिम्मेवारी के निर्वहन करने को कहा. इस दौरान विभिन्न मीडिया को भी साक्षात्कार दिया. 10.30 बजे वह फिर स्नान व पूजा करने के आवास में चले गये. उनका कार्यक्रम झाविमो नेता बंधु तिर्की व हास्य कलाकार असरानी के साथ गेतलसूद फुटबॉल मैदान अनगड़ा में पब्लिक मीटिंग व पदयात्रा पूर्व निर्धारित था, लेकिन वह स्थगित कर दिया गया. उन्होंने फोन पर बंधु तिर्की को असरानी के साथ कार्यक्रम करने को कहा. सुबोधकांत 11.30 बजे आवास से बाहर आये और हरमू पहुंचे.

गाड़ी में भी वह लगातार लोगों से बातचीत करते रहे. वहां पहले से ही केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की व मूलवासी आदिवासी संगठन के लोग थे. सुबोधकांत ने वहां करीब दो हजार से अधिक मोटरसाइकिल जुलूस को झंडा दिखा कर रवाना किया और वह खुद भी शामिल हुए. जुलूस अरगोड़ा, कडरू, राजेंद्र चौक, डोरंडा, हिनू, बिरसा चौक, हटिया, गोलचक्कर, एचइसी, डिबडीह होते हुए हरमू पहुंचा. वहां उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपना बूथ मजबूत करने को कहा. श्री सहाय ने कहा कि कांग्रेस ऐसी पार्टी है, जो सभी को साथ लेकर चलती है, जाति-धर्म पर नहीं बांटती है. दोपहर 3.15 बजे बारिश के कारण वह हरमू से निकल गये. वह दोपहर 3.30 बजे अपने आवास पहुंचे. उनका दोपहर 12.00 बजे बहुबाजार में मोटरसाइकिल रैली में शामिल होना था, लेकिन वह भी स्थगित कर दिया गया. वहीं उनका शाम को 4.30 बजे पिस्का मोड़ से शहीद चौक तक रोड शो भी स्थगित हो गया.

कार्यकर्ताओं से कहा

अब बचे हुए समय में मेरा बूथ सबसे मजबूत... पर काम करें. युवाओं व महिलाओं को लगाये. घर-घर से मतदाताओं को मतदान केंद्र पर लाने की व्यवस्था करें.

संताल में अब लगेगा दिग्गजों का जमावड़ा

- प्रधानमंत्री मोदी सहित एनडीए के नेता करेंगे कैंप, यूपीए के नेता भी जुटेंगे, बाबूलाल, हेमंत सहित कई नेताओं का हो रहा कार्यक्रम तैयार
- गुलाम नबी आजाद, फिल्म अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर भी पहुंचेगी

वरीय संवाददाता ▷ रांची

झारखंड में आखिरी चरण में संतालपरगना में चुनाव होना है. संतालपरगना की तीन सीटों पर यूपीए-एनडीए की प्रतिष्ठा दावं पर फंसी है. झामुमो संतापरगना के दो सीटों पर और झाविमो एक सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं. झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन दुमका से चुनाव लड़ रहे हैं. झामुमो के बड़े चेहरे की राजनीतिक प्रतिष्ठा इस सीट पर फंसी है. इस सीट से भाजपा के सुनील सोरेन दम लगा रहे हैं. राजमहल में झामुमो के वर्तमान सांसद विजय हांसदा को अपनी जमीन बचानी है, वहीं पूरा एनडीए खेमा हेमलाल मुरमू के लिए जोर लगा रहा है. गोड्डा सीट पर भाजपा के निशिकांत दुबे और झाविमो के प्रदीप यादव के बीच कड़ा संघर्ष है. संतालपरगना के तीन हॉट सीट पर अब एनडीए-यूपीए के संघर्ष का तैयार प्लॉट पर दोनों के दिग्गज उतरेंगे. पूरा जोर कैंपेन पर होगा. 15 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दुमका आने की तैयारी है. मुख्यमंत्री रघुवर दास सहित भाजपा के आला नेता लगातार संतालपरगना में चुनावी दौरा कर रहे हैं. भाजपा के केंद्रीय नेता भी संतालपरगना पहुंचेंगे. वहीं यूपीए के नेता भी तीन चरण के चुनाव के बाद फुर्सत में होंगे. बाबूलाल मरांडी भी यूपीए उम्मीदवार के पक्ष में कैंपेन करने संताल पहुंचेंगे. हेमंत सोरेन भी लगातार संतालपरगना में रहेंगे. वह दुमका, राजमहल और गोड्डा में कैंपेन को धार देंगे.

इधर सूचना के मुताबिक कांग्रेस के आला नेता गुलाम नबी आजाद भी गोड्डा आ सकते हैं. इसके साथ फिल्म अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर का भी कार्यक्रम तय किया जा रहा है.

संतालपरगना को लेकर राहुल से हेमंत-बाबूलाल ने की चर्चा

संतालपरगना में चुनावी कैंपेन को लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी से झामुमो नेता हेमंत सोरेन और झाविमो नेता बाबूलाल मरांडी ने चर्चा की है. चुनाव में पार्टी के आला नेताओं को कैंपेन में भेजने का आग्रह किया है. यूपीए संतालपरगना में अपनी जड़ें मजबूत करने में पसीना बहा रहा है. उधर भाजपा ने संताल में झामुमो के गढ़ में सेंधमारी की रणनीति बनायी है.

प्रभात चौपाल : रांची संसदीय सीट

राजधानी रांची लोकसभा चुनाव की हॉट सीट है. इस सीट पर सबकी नजर है. इस प्रतिष्ठित सीट को जीतने के लिए एनडीए और यूपीए दोनों दम लगा रहे हैं, तो भाजपा से बागी हुए वर्तमान सांसद रामटहल चौधरी भी खेल बिगाड़ने की जुगत में लगे हैं. यहां लड़ाई रोमांचकारी है. कांग्रेस से पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय मोरचा संभाल रहे हैं, वहीं पहली बार चुनावी जंग में उतरे भाजपा के संजय सेठ सियासी गलियारे में रास्ते बनाने में जुटे है. राष्ट्रवाद के मुद्दे हैं, स्थानीय समस्याओं को दूर करने के वादे हैं, इसमें चुनावी दावं-पेंच में जनता के भी सवाल हैं. प्रभात चौपाल में भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ और कांग्रेस के प्रत्याशी सुबोधकांत सहाय से जनता की ओर से पांच सवाल पूछे गये.

मैं झूठे वादे नहीं करता, सुख-दुख में उपलब्ध रहता हूं. : सुबोधकांत

A 1. क्षेत्र की जनता के साथ दो चार वर्षों का नहीं, पूरे 40 वर्षों का साथ है. मैं लोगों के बीच रहता हूं और लोगों की समस्याओं से अवगत हूं. इस दौरान विपक्षी दल के कई नेता और उम्मीदवार अपने स्वार्थ के लिए दल-बदल किये और काम कुछ नहीं किया. भाजपा सरकार ने देश व राज्य को केवल सब्जबाग दिखाया है, लेकिन कांग्रेस पार्टी जो बोलती है, वह करती है.

A 2. यह तो जनता बतायेगी? मैं लोगों के हर सुख-दुख में दिन-रात उपलब्ध रहता हूं. मैं जनता से झूठा वादा नहीं करता है. जनता बीजेपी की सरकार से त्रस्त हो गयी है. मैं जात-पात की राजनीति नहीं करता है. सभी धर्म, संप्रदाय के लिए सुबोध खड़ा रहता है.

A 3. रांची को कूड़ेदान बना दिया गया है. लोगों के पास पीने का पानी नहीं है. नाली और सड़क की स्थिति यह है कि गली-मुहल्ले में सड़क नहीं है और मेन रोड में जहां सड़क और नाली है कमीशनखोरी के चक्कर में कई बार तोड़ा और बनाया जा रहा है. राजधानी रांची स्मार्ट स्थिति बनते-बनते स्मार्ट डस्टबीन बन गया है. राज्य में बीजेपी ने 16 वर्षों से अधिक राज किया है, लेकिन विकास नहीं हुआ. हमारी प्राथमिकता लोगों की मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराना है.

A 4. पानी, बिजली, सड़क तो प्राथमिकता होगी ही साथ ही एचइसी कर्मियों को बकाया एरियर का भुगतान जो वर्षों से लंबित है, उसे दिलाने का प्रयास करेंगे. ग्रामीण क्षेत्रों में युवा रोजगार की तलाश में पलायन कर रहे हैं, उन्हें अपने गांव में रोजगार उपलब्ध कराने का कार्य करेंगे. कांग्रेस ने अपने घोषणा में गरीबों के लिए जो योजना लायी है, उसे अपने क्षेत्र में भी लागू करायेंगे.

A 5. समस्या तो अनगिनत है. अभी देश में तानाशाही बढ़ गयी है. दो लोग देश को चला रहे हैं. केवल गुजरात के लोगों को बड़े-बड़े पदों पर रखा जा रहा है. बीजेपी सरकार देश के 10 पूंजीपतियों के लिए कार्य कर रही है. सभी मीडिया पर दबाव बना कर अपने पक्ष करने, सामाजिक ताना-बाना को समाप्त करने का काम किया है. देश को आर्थिक रूप से कमजोर किया है. सभी व्यवसायी आर्थिक रूप से कमजोर हो गये हैं, उनकी कमर टूट गयी है. इन समस्याओं को उठायेंगे.

सवाल

1. जनता आपको क्यों चुने?
2. आप दूसरे प्रत्याशी से किस मायने में अलग हैं?
3. आपकी क्या प्राथमिकता होगी?
4. ऐसा आप क्या नया करेंगे, जो अब तक आपके क्षेत्र में नहीं हुआ?
5. संसद में क्षेत्र के कौन से मुद्दे और समस्या आपकी प्राथमिकता में होंगे?

भाजपा का कार्यकर्ता हूं, जनता की आवाज बनूंगा : संजय सेठ

A 1. हम भाजपा के कार्यकर्ता हैं. लोकसभा चुनाव इसलिए हो रहा है कि केंद्र में अच्छी सरकार बने. इसमें मैं मात्र गिलहरी की भूमिका में हूं. जनता नरेंद्र मोदी के विकास को लेकर वोट डालने के लिए उत्सुक है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांव, टोला, मुहल्ला की तस्वीर बदली है. धरातल से अंतरिक्ष तक विकास दिख रहा है. विकास के जो काम पिछले 65 साल में नहीं हो पाये, वह पिछले पांच साल में हुए. इसलिए जनता कह रही है कि फिर एक बार मोदी सरकार.

A 2. प्रकृति में बदलाव की तरह ही जनता भी नया चेहरा देखना पसंद करती है. मैं संसद में जनता की आवाज बनूंगा. रांची के लिए जो बेहतर प्रोजेक्ट होगा, उसका अध्ययन कर धरातल पर उतारने का काम करूंगा.

A 3. रांची में स्कूलिंग बढ़िया है. यहां पर छत्तीसगढ़, बंगाल, बिहार और ओड़िशा से बच्चे पढ़ने आते हैं. मेरा प्रयास होगा कि रांची एक एजुकेशन हब के रूप में विकसित हो. उच्च शिक्षा के लिए यहां के बच्चों को बाहर नहीं जाना पड़े. ऐसा होने से राजस्व भी बाहर नहीं जायेगा. झारखंड को पर्यटन हब बनाने को लेकर प्रयास करेंगे. यहां का पर्यावरण व वातावरण कश्मीर व शिमला से भी अच्छा है.

A 4. राजधानी रांची में कंक्रीट का जंगल खड़ा हो गया है. यहीं पुरानी सुंदरता समाप्त हो गयी है. तालाबों को भर कर अपार्टमेंट खड़ा कर दिया गया है. मेरा प्रयास होगा कि अब कोई भी तालाब नहीं भरा जाये. यह भी प्रयास किया जायेगा कि अब शहर से बाहर ही मल्टी स्टोरी बिल्डिंग व मॉल बने.

A 5. संसद में विस्थापन का मामला जोरदार ढंग से उठायेंगे. साथ ही मुख्यमंत्री से विस्थापन आयोग गठित कराने का आग्रह करेंगे, ताकि विस्थापितों को न्याय मिल सके. विस्थापितों को विशेष पैकेज दिलाने का भी प्रयास करेंगे. मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी मिले. इसको लेकर नियम को कड़ाई से पालन कराने का काम करेंगे. शहर की बुनियादी संरचना को और बेहतर करने के लिए काम करूंगा.